डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन दिनांक 1 दिसम्बर, 2024, डिस्पेच दिनांक 1 दिसम्बर, 2024

| वर्ष 68 | अंक 13 | भोपाल | 1 दिसम्बर, 2024 | पृष्ठ 12 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन 2024 का उद्घाटन किया

2025 को सहकारिता वर्ष घोषित कर वैश्विक स्तर पर भारत को नया नेतृत्व सौंपा

- **सहकारिता गठबंधन (ICA) के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन किया**
- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया**
- **संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनिया भर के करोड़ों गरीबों व किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा**
- **मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गांवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृधि का रास्ता खोला**
- **आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का पुनर्जन्म हुआ है और इसमें एक नया जोश आया है**
- **3 साल बाद भारत में एक भी गांव ऐसा नहीं रहेगा जहां सहकारी संस्था न हो**
- **'अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष' में नई सहकारी नीति लाकर मोदी सरकार भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने का काम करेगी**
- **राष्ट्रीय स्तर पर बनी 3 नई सहकारी समितियों के माध्यम से भारत का किसान न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के बाज़ार तक पहुंचेगा**
- **जल्द ही सहकारिता विश्वविद्यालय बनेगा, जिसके माध्यम से प्रशिक्षित और तकनीक से युक्त मानव संसाधन का निर्माण होगा**

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन (ICA) के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, भूटान के प्रधानमंत्री, फ़िजी के उप-प्रधानमंत्री, अध्यक्ष, ICA और सचिव, सहकारिता मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनिया भर के करोड़ों गरीबों और किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2024 का उद्घाटन और ICA के अतंर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का भारत में आयोजन स्वागत योग्य है।

श्री अमित शाह ने कहा कि तीन साल पहले ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गांवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृधि का रास्ता खोला। उन्होंने कहा कि तीन साल में भारत के सहकारिता क्षेत्र में कई नई गतिविधियां हुई हैं और आज़ादी के 75 साल बाद भारत के सहकारिता आंदोलन का पुनर्जन्म हुआ है और इसमें एक नया जोश आया है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि 2 लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के माध्यम से 3 साल बाद भारत में एक भी गांव ऐसा नहीं रहेगा जहां कोई सहकारी संस्था न हो। उन्होंने कहा कि PACS को आधुनिक, तकनीकयुक्त बनाने और आर्थिक रूप से viable बनाने के लिए भी कई फैसले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बनाई गई तीन नई सहकारी कोऑपरेटिव्स के माध्यम से भारत का किसान न सिर्फ देश बल्कि पूरी दुनिया के बाज़ार तक अपनी पहुंच को बढ़ा सकेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) आने वाले दिनों में किसानों की सहभागिता दुनिया के व्यापार में तो बढ़ाएंगी ही, साथ ही पूरी दुनिया की सहकारी संस्थाओं को प्रेरणा देने का काम भी करेगी कि किस प्रकार से छोटा सा किसान पूरी दुनिया के बाज़ारों तक पहुंच सकता है। श्री शाह ने कहा कि IFFCO, KRIBHCO और अमूल ने सहकारिता के क्षेत्र में पूरी दुनिया में उदाहरण पेश किया है और इसी प्रकार ये तीनों कोऑपरेटिव्स भी दुनिया के सहकारिता क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का मार्गदर्शन करेंगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि तीन साल पहले नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद सहकारिता क्षेत्र के पूरे कानूनी ढांचे का सुदृढ़ीकरण हुआ है, श्वेत क्रांति 2.0 और नीली क्रांति की शुरुआत भी हुई है जिसमें सहकारिता का रोल बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता के समग्र विकास के लिए पिछले तीन साल में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। श्री शाह ने कहा कि आने वाले दिनों में हम सहकारिता विश्वविद्यालय भी बनाने जा रहे हैं, जिसके माध्यम से प्रशिक्षित और तकनीक से युक्त मानव संसाधन का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष' में नई सहकारी नीति लाकर मोदी सरकार भारत के सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने का काम करेगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता की पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार हर गांव और किसान को सहकारिता से जोड़ने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कई नए क्षेत्र तलाशकर कोऑपेरिटव की पहुंच बढ़ाने के भी कई प्रयास किए गए हैं। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में हर व्यक्ति और क्षेत्र तक कोऑपरेटिव को पहुंचाने के लिए इन तीन साल में बहुत काम किया गया है। उन्होंने कहा कि गावों, किसानों, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए सहकारिता आंदोलन ने कई रास्ते खोले हैं और इसके माध्यम से आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा दिए गए 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को हम प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से शुरू होने वाला सहकारिता वर्ष दुनियाभर के करोड़ों गरीबों, किसानोंऔर महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान से जीने का रास्ता खोलेगा।

श्री मनोज पुष्प ने मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के प्राधिकृत अधिकारी का पदभार संभाला

भोपाल। कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश, भोपाल के आदेश क्रमांक 1421, दिनांक 3 नवंबर 2024 के परिप्रेक्ष्य में श्री मनोज पुष्प ने दिनांक 26 नवंबर 2024 को मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के कार्य संचालन हेतु प्राधिकृत अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लियाहै।

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का भव्य शुभारंभ

भोपाल: 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का शुभारंभ मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल में हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस वर्ष का केंद्रीय विषय "सहकारिता मंत्रालय की नई पहल से सहकारिता आंदोलन का सुदृढ़ीकरण" था। इस आयोजन का उद्देश्य सहकारी आंदोलन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करना था।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र के कई दिग्गज हस्तियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि श्री व्ही.जी. धर्माधिकारी, पूर्व आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्य प्रदेश ने सहकारी आंदोलन को नई दिशा देने के लिए प्रेरणादायक वक्तव्य दिया। अध्यक्षता कर रहे श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल ने सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला।इसके अलावा, श्री श्रीकुमार जोशी (सेवानिवृत्त संयुक्त आयुक्त सहकारिता), डॉ. देवेंद्र राघव (पूर्व कुलपति, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल), और डॉ. मोनिका सिंह (प्राचार्य, ग्लोबल हाइट्स एकेडमी, रायसेन) जैसे विशिष्ट अतिथि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

वक्ताओं के प्रेरक विचार

मुख्य अतिथि : श्री व्ही.जी. धर्माधिकारी

मुख्य अतिथि श्री धर्माधिकारी ने अपने भाषण में सहकारी आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा: "सहकारिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक एकता और न्याय का आधार भी है। सहकारिता मंत्रालय की नई पहलें जैसे डिजिटलीकरण और पारदर्शिता ने सहकारी संगठनों को और अधिक प्रभावी बनाया है। हमें सहकारी मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।"उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता की पहुंच को बढ़ाने और इसे युवाओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष के विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल ने की। अपने भाषण में श्री रंजन ने सहकारिता के महत्व और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर गहरे विचार साझा किए। उन्होंने कहा:"सहकारिता आंदोलन केवल एक आर्थिक प्रणाली नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक दृष्टिकोण है, जो समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलता है। सहकारिता के मूल सिद्धांतों में सहयोग, समानता और पारदर्शिता निहित हैं, जो समाज में एकता और स्थिरता को बढ़ावा देते हैं।"उन्होंने सहकारी संस्थाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए आगे कहा:"आज के समय में, जब हमें आर्थिक और सामाजिक बदलावों का सामना करना पड़ रहा है, सहकारिता की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। यह न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रमुख साधन बन चुकी है। सहकारिता संस्थाओं ने छोटे किसानों, कारीगरों, और व्यापारियों को एकजुट करके उन्हें एक मजबूत नेटवर्क प्रदान किया है।"श्री रंजन ने यह भी कहा कि सहकारी संस्थाओं के माध्यम से लोगों को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सकता है, बल्कि इससे समाज में सामूहिक प्रयासों की भावना भी मजबूत होती है।"हमें यह समझने की जरूरत है कि सहकारिता सिर्फ एक संगठनात्मक मॉडल नहीं, बल्कि यह एक आंदोलन है। इसे न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, बल्कि यह समाजिक न्याय और समानता का प्रतीक भी है। हमें इस आंदोलन को एक नए रूप में प्रस्तुत करने की जरूरत है ताकि यह जन-जन तक पहुंच सके।"

सहकारिता मंत्रालय की नई पहल पर जोर

उन्होंने सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई नई पहलों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। श्री रंजन ने कहा:,"सहकारिता मंत्रालय ने हाल ही में कई नई पहल की हैं जो इस आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन पहलों से सहकारी संस्थाओं को आधुनिक बनाने, उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिल रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके हम सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष और प्रतिस्पर्धी बना सकते हैं।"उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में नए अवसरों और चुनौतियों का सामना करते हुए यह भी कहा कि युवा पीढ़ी को इस आंदोलन में शामिल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।"हमें सहकारिता के महत्व को न केवल बढ़ाना है, बल्कि इसे युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना भी है। यदि युवा इस आंदोलन से जुड़ते हैं, तो यह आंदोलन और भी प्रगति करेगा। हमें इसे एक आकर्षक, व्यावसायिक और समाजिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।"

सहकारिता के लिए सरकार की भूमिका

श्री रंजन ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार की भूमिका को भी सराहा। उन्होंने कहा :

"हमारे द्वारा किए गए प्रयासों को सरकार का सहयोग और समर्थन मिलता है, जो इस आंदोलन को नए आयाम देने में सहायक साबित हो रहा है। सहकारी संस्थाएं सरकार के नीति-निर्माण और आर्थिक योजनाओं में अहम भूमिका निभा रही हैं, और यह भविष्य में और भी सशक्त रूप में दिखाई देगी।"

अपने भाषण के अंत में, उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से सहकारिता आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया और कहा:"हमारे लिए यह एक यात्रा है, और इसमें हर व्यक्ति की भागीदारी अनिवार्य है।

(शेष पृष्ठ 10 पर)

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने साबरकांठा जिले में 800 मीट्रिक टन क्षमता वाले पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन किया

हिम्मतनगर, गुजरात – केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में 800 मीट्रिक टन उत्पादन क्षमता वाले अत्याधुनिक पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी, साबर डेयरी के प्रमुख और अन्य स्थानीय नेता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह संयंत्र साबरकांठा और अरावली जिलों के किसानों की चारा संबंधी जरूरतों को पूरा करने और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में साबर डेयरी की यात्रा को एक प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि साबर डेयरी, जो 1976 में स्थापित हुई थी, आज एक बड़ा संगठन बन चुकी है, जिससे साढ़े तीन लाख से अधिक परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। मंत्री ने बताया कि डेयरी के माध्यम से न केवल दूध उत्पादन में वृद्धि हुई है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि लाने में भी सहकारी आंदोलन का बड़ा योगदान है।

पशु आहार संयंत्र का उद्घाटन:

श्री शाह ने कहा कि यह संयंत्र 210 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया है, और इसकी 800 मीट्रिक टन की क्षमता से क्षेत्र के किसानों को पोषक आहार की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे स्थानीय पशुपालकों को बेहतर गुणवत्ता का चारा मिलेगा, जिससे उनके पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा और दूध उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके अलावा, यह परियोजना रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगी।

उन्होंने बताया कि साबर डेयरी ने अब तक 2050 मीट्रिक टन पशु आहार उत्पादन क्षमता हासिल की है, जो डेयरी उद्योग में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत में वर्ष 1970 में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 40 किलो ग्राम थी, जबकि 2023 में यह बढ़कर 167 किलो ग्राम हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज दूध उत्पादन के मामले में दुनिया में अग्रणी है, और इसमें सहकारी आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्राकृतिक खेती की आवश्यकता:

श्री अमित शाह ने किसानों से अपील की कि वे प्राकृतिक खेती को अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं, जिनसे किसानों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर कीमत प्राप्त होगी। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय सहकारी आर्गेनिक लिमिटेड (NCOL) और राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL) की स्थापना का उल्लेख किया, जो किसानों से प्राकृतिक खेती से उगाए गए उत्पाद खरीदकर उनका निर्यात करेगी।

श्री शाह ने प्राकृतिक खेती के लाभों पर भी जोर दिया और कहा कि इस खेती के द्वारा न केवल फसल की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालिक लाभ भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि किसान प्राकृतिक खेती अपनाते हैं, तो पहले वर्ष में फसल कम हो सकती है, लेकिन दूसरे और तीसरे साल में यह लाभकारी साबित होगा। इससे खेतों की उर्वरता में वृद्धि होगी, और किसी भी प्रकार के रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

गोबरधन योजना:

श्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू की गई 'गोबरधन योजना' की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यह योजना उन किसानों के लिए है जिनके पास अधिक संख्या में पशुधन है, और इसका उद्देश्य गोबर को जैविक खाद में बदलकर कृषि के लिए उपयोग करना है। गुजरात की कई डेयरियों ने इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे खेतों की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

भारत में सहकारी आंदोलन का योगदान:

श्री शाह ने कहा कि जब सहकारी

आंदोलन शुरू हुआ था, तो किसी को नहीं पता था कि यह इतना बड़ा और प्रभावशाली होगा। विशेष रूप से अमूल के उदाहरण से यह सिद्ध हुआ कि सहकारी डेयरी उद्योग ने भारत में दूध उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि सहकारी आंदोलन के कारण भारत दूध उत्पादन में विश्व में सबसे आगे है, और यह आंदोलन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि लाने का एक प्रमुख स्रोत बन चुका है।

प्राकृतिक खेती के वैश्विक बाज़ार में अवसर:

श्री अमित शाह ने अंत में कहा कि प्राकृतिक खेती भारत के किसानों के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने इसे 10 लाख करोड़ रुपये के वैश्विक बाज़ार से जोड़ते हुए कहा कि इससे किसानों को न केवल अधिक आय मिलेगी, बल्कि देश में समृद्धि भी आएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल शुरुआत में मुश्किल हो सकती है, लेकिन इसके दीर्घकालिक लाभ अत्यधिक होंगे।

श्री अमित शाह ने गांधीनगर में फिला विस्टा-2024 डाक टिकट प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और दांडी कुटीर संग्रहालय में दांडी यात्रा के महापुरुषों की स्मृति को नमन किया। इसके अलावा, उन्होंने साणंद में शेला झील और पार्क का उद्घाटन भी किया।

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन पर जबलपुर में आयोजन

जबलपुर। 20 नवम्बर 2024 को 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के समापन अवसर पर जिला सहकारी संघ, जबलपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता श्री अशोक सिंघई जी ने की, जिन्होंने अपने उद्बोधन में "सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहकारिता की भूमिका एवं एक बेहतर विश्व का निर्माण" विषय पर गहरे विचार साझा किए।

श्री सिंघई जी ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि समाजिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने, रोजगार सृजन और पर्यावरण के संरक्षण में सहकारी संगठनों की अग्रणी भूमिका को उजागर किया। उनका यह भी कहना था कि सहकारिता का विस्तार न केवल

राष्ट्र की समृद्धि में, बल्कि एक सशक्त और समावेशी समाज की रचना में भी महत्वपूर्ण योगदान करता है।

कार्यक्रम के समापन पर जिला सहकारी संघ के प्रबंधक श्री राकेश बाजपेई जी ने सभी उपस्थित प्रतिनिधियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया और सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए सबको एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता को हर स्तर पर लागू कर समाज में बदलाव लाना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर क्षेत्रीय सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया और सहकारिता के महत्व को समझते हुए इसे अपने कार्यक्षेत्र में फैलाने और समाज के समग्र विकास में सक्रिय रूप से योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि सहकारिता का विकास ही देश और समाज के विकास की कुंजी है, और इसे बढ़ावा देने से एक बेहतर और समृद्ध भविष्य का निर्माण संभव है।

पंजीयन कं. भोपाल 128 दिनांक 15.12.1971, भा.रि.बैंक लायसेन्स कं. एम.पी./1753 दिनांक 19/06/2000

व्यवसायिक एवं औद्योगिक सहकारी बैंक लि. मुरैना (म.प्र.) प्रपत्र (अ)

तीसरी तालिका बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट – 1949 की धारा 29 के अंतर्गत

स्थिति विवरण – पत्रक वर्ष्ष 2023–24 वर्षान्त 31.03.2024

गत वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	पूंजी एवं देनदारियां	अंकेक्षण वर्ष की रकम (2023–24)	रकम (31.03.2024)
40017700.00		**(1)** अंश पूंजी		**38441900.00**
		(अ) अधिकृत अंश पूंजी		
		रू. 50000000.00 प्रति अंश		
		मूल्य रू. 100.00 अंशपूंजी में से		
	40017700.00	**(1)** संदस्यों की ओर	38441900.00	
		(2) राज्य शासन		
415981197.38		**(2)** रक्षित एवं अन्य निधियां		**459408667.90**
	47815610.75	1. रक्षित निधि	49015225.75	
	65669901.65	2. भवन कोष	67109439.17	
	277349000.72	3. संदिग्ध एवं डूबन्त कोष	317520373.72	
	879319.00	4. वाहन कोष	879319.00	
	1066367.35	5. धर्मादा कोष	1100642.35	
	634148.00	6. कर्म. सहायता कोष	634148.00	
	378428.76	7. सह. विकास समाज कल्याण	378428.76	
	13656558.15	8. लाभांश समानीकरण निधि	13999305.15	
	3950000.00	9. मानक आस्तियां	3950000.00	
	4080161.00	10. विनियोजन विकास निधि	4251534.00	
	501702.00	11.कर्मचारी प्रशिक्षण निधि	570252.00	
1631902314.86		**(3)** अमानतें		**1671180753.37**
	1056166706.57	1. मुद्दती अमानत	1108451584.57	
	554414352.19	2. बचत अमानत	534657051.09	
	17068734.00	3. चालू अमानत	27138087.63	
	4252522.10	4. जमा ऋण खाता	934030.08	
376496475.99	376496475.99	(4) अतिदेय प्रारक्षित निधि	423089815.59	**423089815.59**
17174191.00	17174191.00	**(5)** ब्याज देय अमानतों पर	16954143.00	**16954143.00**
26467565.75		**(6)** अन्य देनदारियां		**33239686.95**
	1487154.00	1 ऑडिट फीस	918007.00	
	200896.00	2 डी.डी. इस्यू	83776.00	
	1796085.05	3 पे ऑर्डर	3836870.05	
	498483.00	4 सस्पेन्स	431537.00	
	15000000.00	5 बैंक आयकर	15533535.00	
	686017.00	6 चंदा जिला सह. संघ	686017.00	
	795590.08	7 ऋण पर अन्य चार्ज	0.00	

गत वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	संपत्ति एवं आस्तियां	अंकेक्षण वर्ष की रकम(2023–24)	रकम (31.03.2024)
46172343.14		**(1)** रोकड़		**57634211.14**
	24447256.00	1. नगदी रोकड़	22903555.00	
	0.00	2. भारतीय रिजर्व बैंक	0.00	
	2255536.04	3. भारतीय स्टेट बैंक	21761367.04	
	19469551.10	4. शीर्ष सह. बैंक	12969289.10	
	0.00	5. रेवेन्यू स्टाम्प	0.00	
283594328.84		**(2)** अन्य अधिकोंषों में		**323801219.47**
	81028733.84	1. चालू खाता	107973963.47	
	0.00	2. बचत खाता	0.00	
	202565595.00	3. म्यादी खाता	215827256.00	
68041542.00		**(3)** शीर्ष एवं सह. बैंकों में म्यादीं जमा		**72216815.00**
	0.00	1. जिला सह. केन्द्रीय बैंक	0.00	
	68041542.00	2. शीर्ष सह. बैंक	72216815.00	
572071948.37		**(4)** शासकीय प्रतिभूतियां		**697211940.97**
	572071948.37	शासकीय प्रतिभूतियां	697211940.97	
100.00		**(5)** संस्थाओं में विनियोजन		**100.00**
	100.00	1. जिला सह. केन्द्रीय बैंक	100.00	
1132075316.34		**(6)** ऋण एवं अग्रिम		**1029794490.38**
	774411004.94	1. अल्पकालीन ऋण	699416346.28	
	30285202.58	2. मध्यकालीन ऋण	29175712.58	
	327379108.82	3. दीर्घकालीन ऋण	301202431.52	
394731104.99		**(7)** प्राप्ती योग्य ब्याज		**447712016.85**
	376493695.99	1. ऋणों पर	423087035.59	
	18237409.00	2. अमानतों पर	24624981.26	
2261802.90		**(8)** स्थायी सम्पत्ति		**2452410.54**
	988669.00	1. फर्नीचर	715166.00	
	28.02	2. कम्प्यूटर हार्डवेयर	28.02	
	1273105.88	3. इलेक्ट्रिकल आईटम	1061466.52	
	755250.00	4. सिविल वर्क	675750.00	
11763178.92		**(9)** अन्य सम्पत्तियां		**16921098.20**
	33405.00	1. बैंक वाहन	26725.00	
	82198.50	2. स्टॉक फार्म	42510.00	
	11143555.00	3. अग्रिम आयकर बैंक	14529168.00	

गत वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	पूंजी एवं देनदारियां	अंकेक्षण वर्ष की रकम (2023–24)	रकम (31.03.2024)
	2419484.19	8. कर्मचारी एक्सग्रेसिया	2419484.19	
	1188184.43	9. टी.डी.एस	1322577.69	
	2395672.00	10.लायविलिटीज	3372883.02	
	0.00	11.विनियोजन अवक्षयण निधि	635000.00	
	0.00	12.आउटवर्ड आर.टी.जी.एस.	4000000.00	
65549772.69		**(7) कोन्ट्रा मद**		**76143858.11**
	11345255.65	1. लीव इन कैशमेन्ट	12457134.64	
	17087262.04	2. ग्रेच्यूटी फंड	16537506.47	
	37117255.00	3. अनक्लेम्ड डिपोजिट कस्टूमर	46092078.00	
	0.00	4.देय वसूली खर्चे	1057139.00	
3427470.52		**(8) लाभ**		**9429335.74**
	3427470.52	शुद्ध लाभ	9429335.74	
2577016688.19	**2577016688.19**	योग	**2727888160.66**	**2727888160.66**

गत वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	संपत्ति एवं आस्तियां	अंकेक्षण वर्ष की रकम(2023–24)	रकम (31.03.2024)
	34610.10	4. प्राप्ति योग्य (डीफ) राशि	223729.10	
	0.00	5. सी.जी.एस.टी. रिसीयेवल	433233.05	
	0.00	6.एस.जी.एस.टी. रिसीयेवल	433233.05	
	459010.32	7. आई.जी.एस.टी. रिसीयेवल	0.00	
	0.00	एडवान्स खाता	350000.00	
	10400.00	8. इनवर्ड आर.टी.जी.एस.	882500.00	
	0.00	शाखा समायोजन	4000000.00	**4000000.00**
65549772.69		(10) कोन्ट्रा मद		**76143858.11**
	0.00	प्राप्ति योग्य वसूली खर्चे	1057139.00	
	11345255.65	2. लीव इनकैशमेन्ट	12457134.64	
	17087262.04	3. ग्रेच्यूटी फंड	16537506.47	
	37117255.00	4. डीफ फंड विथ आर.बी.आई.	46092078.00	
2576261438.19	**2577016688.19**	योग	**2727888160.66**	**2727888160.66**

हस्ता/–
सहायक लेखापाल
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
शाखा प्रबंधक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
सनदी लेखाकार
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
अध्यक्ष
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
सहायक लेखापाल
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
शाखा प्रबंधक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
सनदी लेखाकार
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

हस्ता/–
अध्यक्ष
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक
लि. मुरैना

व्यवसायिक एवं औद्योगिक सहकारी बैंक लि. मुरैना (म.प्र.)
लाभ–हानि पत्रक वर्ष 2023–24 (31.03.2024) (प्रपत्र ब)

अंकेक्षण वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	हानि के मद	अंकेक्षण वर्ष की रकम (2023–24)	रकम (31.03.2024)
78344440.25	78344440.25	ब्याज दिया अमानतों पर	83701121.36	83701121.36
16465364.00	16465364.00	वेतन, उपवेतन, भविष्य निधि आदि	16947312.00	16947312.00
24000.00	24000.00	संचालक बैठक शुल्क	20600.00	20600.00
1013500.00	1013500.00	अंकेक्षण शुल्क	995000.00	995000.00
5863543.50	5863543.50	किराया शुल्क, बीमा, प्रकाश आदि	4909186.00	4909186.00
2000.00	2000.00	कानूनी सलाह शुल्क	84500.00	84500.00
167595.86	167595.86	डाक दूरभाष, टेलीफोन, आदि	118966.00	118966.00
882245.54	882245.54	लेखन सामग्री, छपाई, विज्ञापन आदि	537829.50	537829.50
1230023.64	1230023.64	संपत्ति अवक्षयण, दुरूस्ती	584993.54	584993.54
9044712.18	9044712.18	विविध व्यय, सी.बी.एस. सोफ्टवेयर चा. र्जज, कन्टनजेंसी,आमसभा, बैंक वाहन, प्रीमि. शास. प्रतिभूति, इन्सी. क्लीयरिंग हाउस, ए.एम.सी, प्रशा. प्रभार, लीगल स्टाम्प फीस, कम्प्यू. एण्ड हार्डवेयर, सी.आई.सी. फीस, रिपे. मेन्ट., लीव इन. कैश. चन्दा सह. संघ कर्म. ग्रेच्युटी, बैंक आयकर गतवर्ष, कमीशन जनता डिपो. बैंक वृत्तिकर आदि	10687479.13	10687479.13
15000000.00	15000000.00	प्रावधान बैंक आयकर	15000000.00	15000000.00
73000000.00	73000000.00	प्रावधान संदिग्ध एवं डूबंत कोष	40000000.00	40000000.00
3427470.52	3427470.52	लाभ वर्ष 2023–24	9429335.74	9429335.74
204464895.49	**204464895.49**	योग	**183016323.27**	**183016323.27**

गत वर्ष की रकम (2022–23)	रकम (31.03.2023)	लाभ के मद	गत वर्ष की रकम (2023–24)	रकम (31.03.2024)
165777976.38	165777976.38	ब्याज एवं छूट	180452615.65	180452615.65
38686919.11	38686919.11	अन्य प्राप्तीयां	2563707.62	2563707.62
204464895.49	**204464895.49**	योग	**183016323.27**	**183016323.27**

हस्ता/–
सहायक लेखापाल
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
शाखा प्रबंधक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
सनदी लेखाकार
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
संचालक
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

हस्ता/–
अध्यक्ष
व्यव. एवं औद्यो. सह. बैंक लि. मुरैना

नाम संस्था– व्यवसायिक एवं औद्योगिक सहकारी बैंक लि. मुरैना (म.प्र.)

अंकेक्षण प्रमाण – पत्र

(जो लागू न हो उन्हें काट दें)

वर्ष : 2023–24

1.× संस्था के अंकेक्षण के दौरान प्राप्त गवन–धोखाधड़ी, गंभीर वित्तीय अनियमितताओं व सहकारी अधिनियम, नियम एवं उपविधियों में उल्लंघन के प्रकरणों का उल्लेख मेरे द्वारा अंकेक्षण में कर दिया गया है।

2.× यह कि ऐसी वित्तीय अनियमिततायें जिनसे संस्था को हानि पहुँची है कि बसूली हेतु विशेष प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया गया है।

3.× यह कि गवन धोखाधड़ी के प्रकरणों में पुलिस कार्यवाही हेतु तथा राशि बसूली हेतु संबंधितों को अवगत करा दिया गया है।

4. अंकेक्षण के दौरान गबन–धोखाधड़ी गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के कोई प्रकरण प्रकाशमान नहीं हुये।

5. संपरीक्षा प्रतिवेदन में उल्लेखित आपत्तियों के अतिरिक्त अन्य कोई महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाशमान नहीं हुये हैं।

6. संस्था को अंकेक्षण वर्ष के लिये वर्ग "अ" प्रदान किये जाने की अनुशंसा की जाती है।

दिनांक : 15.05.2024
स्थान – मुरैना (म.प्र.)

वैधानिक अंकेक्षक
मै. एस.पी.जे.व्ही. एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
FRN : 116884W
पीयूष चतर
भागीदार
M. No. 410901
UDIN. 24410901BKFHVF5006

कार्यालय संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थायें
चम्बल संभाग मुरैना
संपरीक्षा प्रतिवेदन तथा निर्गमन पत्र
क्रमांक/अंके./निर्गमन/588 दिनांक 28.06.2024
में उल्लेखित आक्षेपों एवं निर्देशों के पालन हेतु जारी।

SPJV & CO. Chartered Accountants BHOPAL

कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भोपाल

वर्किंग बेलेन्ससीट दिनांक 31/3/2024

पूंजी एवं देनदारियां	ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2023	जमा राशि	कुल राशि	आहरीत राशि	क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2024
1. अंश पूंजी					
अंश पूंजी	10010305.00	506400.00	10516705.00	356800.00	10159905.00
नाममात्र सदस्यता	10175.00	0.00	10175.00	0.00	10175.00
2 रक्षित निधिया					
रक्षित निधिया	25791641.93	2233816.25	28025458.18	0.00	28025458.18
भवन निधि	5824872.67	500000.00	6324872.67	0.00	6324872.67
बी.बी.डी. रिजर्व फण्ड (एन.पी.ए.)	9502458.21	110341.00	9612799.21	1287972.00	8324827.21
प्रावधान स्टेण्र्डड ऐसेट्स	5310000.00	0.00	5310000.00	0.00	5310000.00
प्रावधान सब–स्टेण्र्डड ऐसेट्स	2893257.00	9023.00	2902280.00	0.00	2902280.00
ओव्हर ड्यु ब्याज रक्षित	5013042.00	1628641.00	6641683.00	466527.00	6175156.00
डिविडेन्ड इक्वीलाइजेशन फण्ड	621838.83	0.00	621838.83	0.00	621838.83
इन्वेशटमेन्ट प्लेगश्चुऐशन रिजर्व	2452000.00	200000.00	2652000.00	0.00	2652000.00
3. अमानतें एवं अन्य खाते					
(अ) चालू खाता जमा	20888233.99	924633266.60	945521500.59	896929364.94	48592135.65
सन्ड्री डिपोजिट	412127.97	0.00	412127.97	0.00	412127.97
क्रेडिट बेलेन्स इन सी.सी.लिमिट	607713.14	2818946.64	3426659.78	3230393.04	196266.74
क्रेडिट बेलेन्स इन ओ.डी. विरूद्ध सिक्युरिटी	13463.68	586121.44	599585.12	586468.44	13116.68
इनऑपरटिव चालू खाता जमा	1467186.43	2406174.27	3873360.70	2611377.35	1261983.35
व्यक्तिगत संस्थाऐं	3919367.19	184285265.28	188204632.47	185729645.40	2474987.07
बचत खाते	66319124.67	533638316.92	599957441.59	531705133.95	68252307.64
इनऑपरटिव बचत खाता जमा	7948615.64	11222537.12	19171152.76	7345618.10	11825534.66
डेफ खाता	0.00	605726.00	605726.00	605726.00	0.00
(ब) सावधि एवं अन्य जमा					
मासिक आय योजना	4894465.00	2007279.00	6901744.00	3428932.00	3472812.00
फिक्सड डिपाजिट	9258783.58	28770414.00	38029197.58	25378531.20	12650666.38
डबल डिपाजिट	111048136.15	84705514.00	195753650.15	72757515.00	122996135.15
कम्पलसरी जमा	62765.00	0.00	62765.00	0.00	62765.00
आवर्ती जमा	1105600.00	1330665.00	2436265.00	996665.00	1439600.00
4 अन्यं देनदारियां					
टी.डी.एस. खाता	13590.00	1038959.00	1052549.00	793216.00	259333.00
सन्ड्री क्रेडिटर्स	0.00	6861249.00	6861249.00	6861249.00	0.00
डिविडेन्ड पेऐबल	2694761.00	0.00	2694761.00	195681.00	2499080.00
5. बैंक ग्यारंटी (कान्ट्रा)					

संपत्ति एवं लेनदारियॉं	ओपनिंग बेलेन्स 01/4/2023	आहरीत राशि	कुल राशि	जमा राशि	क्लोजिंग बेलेन्स 31/3/2024
1. नगदी सिलक					
नगदी सिलक	6195422.00	274204244.00	280399666.00	277320823.00	3078843.00
2. बैंको के चालू खातों के बेलेन्स					
भारतीय रिजर्व बैंक	750000.00	30000000.00	30750000.00	0.00	30750000.00
आई.डी.बी.आई. बैंक	1754645.40	656939979.00	658694624.40	657920479.84	774144.56
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	36120.50	0.00	36120.50	0.00	36120.50
केनरा बैंक	15881.75	8432502.00	8448383.75	8400443.00	47940.75
एक्सीस बैंक (न्यु)	678646.89	41544305.00	42222951.89	41850063.00	372888.89
आई.डी.बी.आई. बैंक सी.टी.एस. क्लीयरिंग	9659366.67	665911799.49	675571166.16	672114895.14	3456271.02
एक्सीस बैंक आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी.	23291081.09	962153017.38	985444098.47	981167674.42	4276424.05
पंजाब नेशनल बैंक हबीबगंज शाखा	38232.74	8372833.00	8411065.74	8390087.91	20977.83
आई.सी.आई.सी.आई.बैंक	50132.43	0.00	50132.43	0.00	50132.43
इण्डसइंड बैंक	76655.00	0.00	76655.00	0.00	76655.00
एक्सीस बैंक आईएमपीएस खाता	500000.00	67208156.09	67708156.09	67079526.36	628629.73
फिनकेयर स्माल फायनेंस बैंक	0.00	1600000.00	1600000.00	1500000.00	100000.00
एक्सीस बैंक एटीएम खाता	0.00	1000279.00	1000279.00	508466.94	491812.06
एक्सीस बैंक यू.पी.आई.खाता	0.00	4057198.00	4057198.00	3603337.82	453860.18
3 निवेश					
(अ) अन्य बैंकों में फिक्स्ड डिपाजिट					
आईडीबीआई बैंक	5000000.00	1000000.00	6000000.00	6000000.00	0.00
एफ.डी.आर. केनरा बैंक	8000000.00	8400000.00	16400000.00	8000000.00	8400000.00
एफ.डी.आर. पंजाब नेशनल बैंक	8000000.00	0.00	8000000.00	8000000.00	0.00
एफ.डी.आर.युनियन बैंक ऑफ इंडिया	8000000.00	0.00	8000000.00	8000000.00	0.00
एक्सीस बैंक	5000000.00	0.00	5000000.00	0.00	5000000.00
सिटीयुनियन बैंक	4000000.00	4000000.00	8000000.00	4000000.00	4000000.00
बैंक ऑफ इण्डिया	5000000.00	0.00	5000000.00	0.00	5000000.00
इण्डसइंड बैंक	8000000.00	0.00	8000000.00	0.00	8000000.00
निपोन इंडिया म्युचल फण्ड	0.00	190120441.39	190120441.39	168000000.00	22120441.39
आई.डी.बी.आई. सब–जन.लेजर खाते	90430881.00	9990000.00	100420881.00	105493.00	100315388.00
आई.डी.बी.आई. सब–जन.लेजर खाते टी–बिल	19377770.00	111988515.00	131366285.00	83053945.00	48312340.00
4.बैंक ग्यारंटी इश्यु					
बैंक ग्यारंटी	8459861.00	2551500.00	11011361.00	1147385.00	9863976.00
5. ऋण तथा अग्रिम					
व्यक्तीगत ऋण	1147354.99	651929.21	1799284.20	1040812.82	758471.38
एफ.डी.आर. के विरूद्ध ऋण	226026.00	45536.00	271562.00	90512.00	181050.00

पूंजी एवं देनदारियां	ओपनिंग बेलेन्स 01/04/2023	जमा राशि	कुल राशि	आहरीत राशि	क्लोजिंग बेलेन्स 31/03/2024
बैंक ग्यारंटी	8459861.00	2564941.00	11024802.00	1160826.00	9863976.00
6. अन्य मांग देनदारियां					
पे ऑर्डर नया	1703850.17	18493003.00	20196853.17	18668067.00	1528786.17
मिसलिनियस प्रावधान	265000.00	285000.00	550000.00	265000.00	285000.00
प्रोविजन फार दैनिक जमा खाता	1666130.00	0.00	1666130.00	0.00	1666130.00
ग्रेच्यूटी के लिये प्रावधान	200000.00	300000.00	500000.00	200000.00	300000.00
ऐक्सिस बैंक डी.डी. पेएबल	1323751.50	18456689.54	19780441.04	18392008.00	1388433.04
7.देने योग्य ब्याज (सावधि जमा एवं अन्य जमाओ का प्रावधान					
एक्यु. ईन्ट्रेस्ट पेयेबल अकाउन्ट	3147503.58	200000.00	3347503.58	253165.00	3094338.58
सावधि जमाओं पर भुगतान योग्य ब्याज	175576.58	1239900.00	1415476.58	1448858.58	-33382.00
मासिक ब्याज जमाओं पर भुगतान योग्य ब्याज	50109.00	267328.00	317437.00	269996.00	47441.00
8. लाभ –हानि खाते					
खर्चे एवं आय					
शुद्ध लाभ –2020–2021	1482771.25	0.00	1482771.25	1482771.25	0.00
शुद्ध लाभ –2021–2022	3264175.88	0.00	3264175.88	0.00	3264175.88
शुद्ध लाभ वर्ष 2022–2023	3004180.11	0.00	3004180.11	1202840.00	1801340.11
एस.जी.एस.टी.	66656.01	74084.51	140740.52	132999.37	7741.15
सी.जी.एस.टी.	66200.01	74084.51	140284.52	132543.37	7741.15
आई.जी.एस.टी.	34.20	18.00	52.20	47.70	4.50
टीडीएस खाता केश भुगतान	0.00	274156.66	274156.66	248369.00	25787.66
सन्ड्री केडिटर्स	0.00	2169351.00	2169351.00	2169351.00	0.00
प्रावधान बैंक रिकन्सीलेशन	805000.00	0.00	805000.00	0.00	805000.00
प्रावधान फार अनसेटलड इन्कम टेक्स	658247.00	0.00	658247.00	350000.00	308247.00
शुद्ध लाभ वर्ष 2023–2024	0.00	24841585.58	24841585.58	21899440.78	2942144.80
महा योग	**324422570.37**	**1859338797.32**	**2183761367.69**	**1809543098.47**	**374218269.22**

संपत्ति एवं लेनदारियॉ	ओपनिंग बेलेन्स 01/4/2023	आहरीत राशि	कुल राशि	जमा राशि	क्लोजिंग बेलेन्स 31/3/2024
मध्यम अवधि ऋण	9292515.21	4591746.00	13884261.21	4784448.33	9099812.88
नगद साख सीमा	6191281.42	9452991.18	15644272.60	9682759.46	5961513.14
वाहन ऋण	24730453.36	12263296.00	36993749.36	10640827.00	26352922.36
गृह ऋण	17643355.08	8341713.00	25985068.08	4418111.35	21566956.73
प्रतिभूति विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण	410032.09	3482300.84	3892332.93	3046327.44	846005.49
संपत्ति के विरूद्ध ऋण	4876785.38	7634481.00	12511266.38	5277037.00	7234229.38
संपत्ति के विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण	26587692.02	58536847.22	85124539.24	59779711.28	25344827.96
आवृती जमा के विरूद्ध ऋण	12299.00	708.00	13007.00	9500.00	3507.00
शिक्षा ऋण	2086736.00	202799.00	2289535.00	300000.00	1989535.00
दुकान ऋण	5256621.00	451213.00	5707834.00	964890.00	4742944.00
सस्पेन्स एकाउन्ट (एड.नेचर)	10686.00	0.00	10686.00	0.00	10686.00
6. ऋणों पर ब्याज प्राप्य					
व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज प्राप्य	26155.00	23819.00	49974.00	14155.00	35819.00
उपभोक्ता ऋण पर ब्याज प्राप्य	1063.00	0.00	1063.00	0	1063.00
मध्यमअवधि ऋण पर ब्याज प्राप्य	197963.00	198849.00	396812.00	396812.00	0.00
नगद साख सीमा पर ब्याज प्राप्य	1982843.00	686233.00	2669076.00	35200.00	2633876.00
वाहन ऋण पर ब्याज प्राप्य	63631.00	0.00	63631.00	0.00	63631.00
गृह ऋण पर ब्याज प्राप्य	0.00	21985.00	21985.00	20360.00	1625.00
संपत्ति के विरूद्ध अधिविकर्ष ऋण पर ब्याज प्राप्य	2741387.00	697755.00	3439142.00	0.00	3439142.00
7 अन्य बैंकों से सावधि जमाओ पर ब्याज प्राप्य					
सावधि जमाओं पर ब्याज प्राप्य	1852990.00	1575983.00	3428973.00	1852990.00	1575983.00
सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज प्राप्य	921728.00	1966733.56	2888461.56	997783.56	1890678.00
8. फर्नीचर एवं फिक्चर					
डेड स्टॉक खाता	887205.23	56962.54	944167.77	244542.38	699625.39
9. अन्य लेनदारियॉ					
एस.जी.एस.टीॅ. इनपुट केडिट	43462.42	14409.37	57871.79	48086.42	9785.37
सी.जी.एस.टी. इनपुट केडिट	44378.07	14177.81	58555.88	48805.50	9750.38
आई.जी.एस.टी. इनपुट केडिट	90230.63	100496.55	190727.18	190692.81	34.37
एमएसइ पुर्नवित्त राशि	4773000.00	0.00	4773000.00	695000.00	4078000.00
टेक्स आडिट फीस	10000.00	0.00	10000.00	10000.00	0.00
डेबिट कार्ड	0.00	59950.00	59950.00	0.00	59950.00
महा योग	**324422570.37**	**3160547683.63**	**3484970254.00**	**3110751984.78**	**374218269.22**

हस्ता/–
बी.के. खरे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हस्ता/–
संचालक

हस्ता/–
आरएजेडएसडीए एण्ड कंपनी
चार्टड एकाउन्टेंट्स

हस्ता/–
सोहन सिंह
अध्यक्ष

हस्ता/–
बी.के. खरे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हस्ता/–
संचालक

हस्ता/–
आरएजेडएसडीए एण्ड कंपनी
चार्टड एकाउन्टेंट्स

हस्ता/–
सोहन सिंह
अध्यक्ष

कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लिमिटेड भोपाल
लाभ –हानि पत्रक 31/03/2024

क्र.	कुल व्यय	बेलेन्स 31/03/2024	कुल आय	बेलेन्स 31/03/2024
1	बीमा व्यय	129303.00	लॉकर किराया	83800.00
2	भवन किराया एवं करं	2436612.00	सावधि जमाओं अन्य बैंकों पर ब्याज प्राप्य	1575983.00
3	बिजली शुल्क व्यय	155060.00	सरकारी प्रतिभूतियों पर ब्याज प्राप्य	10096449.44
4	अखबार एवं पत्रिकाओं पर व्यय	5244.00	शेयर एन्ट्री एवं एप्लीकेशन फीस	4370.00
5	छपाई औरं स्टेशनरी व्यय	110179.00	आकस्मिक आय	1388008.54
6	जलपान व्यय	125076.00	ऋणों पर ब्याज प्राप्त	10299009.21
7	विविध खर्चे	107663.00	प्रोसेसिंग फीस (ऋण)	101198.00
8	डिप्रीशिएशन खाता	187862.38	एमएसएमई पर ब्याज प्राप्य	172326.00
9	वाहन भत्ता व्यय	74072.50	म्युचअल फण्ड पर ब्याज प्राप्य	1120441.39
10	वार्षिक रखरखाव व्यय	413201.00		
11	लीगल फीस एडवोकेट व्यय	14134.00		
12	प्रचार –प्रसार पर व्यय	16250.00		
13	मरम्मत एवं नवीनीकरण	24055.00		
14	चुनाव खर्चे	82122.20		
15	सतत अंकेक्षण फीस	273100.00		
16	एडवांस इन्कम टेक्स	1000000.00		
17	बैंक चार्जेस पेड अन्य बैंको को	1151.13		
18	डी.आई.सी.जी.सी.प्रिमियम चार्ज	348619.85		
19	वार्षिक आमसभा खर्च	299243.00		
20	टेलीफोन एवं टेलेक्स खर्च	37101.76		
21	जल प्रबंधन व्यय	22710.00		
22	आडिट फीस फार रजिस्टार	13915.00		
23	बी.डी.डी.प्रावधान	110341.00		
24	सब स्टेण्डर्ड ऐसेटस पर प्रावधान	9023.00		
25	ग्रेच्युटी प्रावधान	300000.00		
26	बिल्डीग फण्ड प्रावधान	500000.00		
27	इन्वेस्टमेन्ट फल्यूऐशन फण्ड	200000.00		
28	ई एफ टी स्वीचींग फीस	109000.00		
29	एनपीसीआई प्रमाण पत्र फीस	145250.00		
30	बचत खातों पर ब्याज भुगतान	2605306.00		
31	सावधि जमाओं पर ब्याज भुगतान	8718587.00		
32	पोस्टैड एण्ड टेलीग्राम	735.00		
33	वेतन एवं भत्ते	3076030.96		
34	सिक्युरिटी सर्विस कान्ट्रेक्ट पर भुगतान	143000.00		
35	एमोटीजेसन ऑफ गर्वनमेंट सिक्युरिटी	105493.00		
36	शुद्ध लाभ वर्ष 2023–2024	2942144.80		
	कुल योग	24841585.58	कुल योग	24841585.58

हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
बी.के. खरे	संचालक	आरएजेडएसडीए एण्ड कंपनी	सोहन सिंह
मुख्य कार्यपालन अधिकारी		चार्टड एकाउन्टेंट्स	अध्यक्ष

कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लि. भोपाल
अंकेक्षण प्रमाण पत्र

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता, अंकेक्षक प्रमाणित करता हूँ कि मैने कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लि. भोपाल पंजीयन क्रं. 05/97 दिनांक 24/7/97 का वर्ष 2023–2024 को अंकेक्षण पंजीयक सहकारी समितियां मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया ।

बैंक का पंजीयन प्रमाण पत्र विधिवत सही है तथा बैंक में सुरक्षित है।

मेरे द्वारा कृष्णा मर्केन्टाईल को–ऑप. बैंक लि. भोपाल का दिनांक 31 मार्च 2024 को समाप्त होने लेखा वर्ष का स्थिति विवरण पत्रक तथा लाभ हानि पत्रक की जांच संबंधित लेखाओं से की गई ।

अतः मेरे द्वारा प्रस्तुत संस्था के अंकेक्षण प्रतिवेदन एवं साथ में संलग्न आक्षेपों तथा स्थिति विवरण पत्रक पर अंकित टीप के अधीन है।

1. मेरे मत से बैंक का व्यवसाय आमतौर से अच्छी तरह से विधिवत तथा ईमानदारी से व उपनियमों व प्रावधानों के अनुसार तथा सहकारी विधान की प्रचलित धाराओं, उसके अंतर्गत बनाये गये नियम, पंजीयक द्वारा समय–समय पर प्रसारित परिपत्रों एवं बैंकिग रंग्यूलेशन एक्ट 1949 की आवश्यकता के अनुरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक पूर्णरूपसे स्पष्ट है एवं इसमें आवश्यक सभी जानकारीयां जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शातं है। जो जानकारी बैंक की स्थिति को दर्शाते है का समावेश किया गया है । मुझे जो जानकारी बैंक की स्थिति के संबंध में बतलाई गई तथा जो जानकारी अधिकोष के लेखा पत्रों खांतो में दर्शायी गई है वह सब इसमें परिलक्षित होती है।
3. मुझे अंकेक्षण के दौरान जिस जानकारी व स्पष्टीकरण की जब आवश्यकता हुई, समय–समय पर बैंक से प्राप्त हुई तथा मेरे संतोष के अनुसार है ।
4. अधिकोष के व्यवहार, जो मेरी जानकारी में आये वे सभी अधिकोष की कार्य सीमा में किये गये है। अधिकोष के लाभ हानि प्रत्रक प्रस्तुत टीप के अनुसार पाये गये ।
5. अंकेक्षण हेतु जो भी पत्रक एंव लेखा बैंक से बुलाये गये या प्राप्त किये गये सभी पूर्ण एंव पर्याप्त है ।
6. मेरे मत से अधिकोष का स्थिति विवरण एवं लाभ–हानि पत्रक टीप नियमों के अनुरूप बनाये गये है तथा हिसाब व खाते नियमों, उपनियमों का आवश्यकतानुसार रखे गये है ऐसे सभी रखे गये रजिस्टर व खाता बहिया, जिनके आधार पर पत्रक तैयार किय गये है की सूची बैंक में उपलब्ध है ।

अतः मैं अधिकोष को पंजीयक सहकारी समितियां, मध्यप्रदेश द्वारा प्रसारित निर्देशों में दी गई अंकेक्षण वर्गीकरण कसौटी पत्र के मानदंड के आधार पर मूल्यांकन करके वर्ष 2023–2024 के अंकेक्षण में बैंक को 'अ' वर्ग में वर्गीकृत करता हूँ ।

स्थान – भोपाल
दिनांक /06/2024

संयुक्त पंजीयक
सहकारी संस्थाऐं,
भोपाल संभाग, भोपाल

RAZSDA & CO. BHOPAL Chartered Accountants
(आरएजेडएसडीए एण्ड कम्पनी)
चार्टड एकाउन्टेंट्स
कृष्णा मर्केन्टाईल को. ऑप. बैंक लि.,भोपाल

कार्यालय संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थायें, संभाग भोपाल
संपरीक्षा प्रतिवेदन तथा निर्गमन पत्र
क्रमांक/अंके./निर्गमन/400 दिनांक 27/6/24
में उल्लेखित आक्षेपों एवं निर्देशों के पालन हेतु जारी।

फसल ऋण नीति निर्धारण के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की तकनीकी समूह की हुई बैठक

खरगोन :जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक खरगोन के कार्यक्षेत्र में उत्पादित कि जाने वाली विभिन्न फसल कपास, मिर्च, सोयाबीन, मक्का, गेहू, चना आदि, एवं पशुपालन तथा मत्स्य पालन के लिए वर्ष 2025-26 में ऋण मान का निर्धारण करने 21 नवंबर को कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में बैंक की जिला स्तरीय तकनीकी समूह की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में फसल ऋण निर्धारण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मण्डलोई, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के प्रबंध संचालक श्री पीएस धनवाल, सहायक संचालक कृषि श्री प्रकाश ठाकुर, सहायक आयुक्त सहकारिता श्री केआर आवासे, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री केके गिरवाल, कृषि विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, अग्रणी जिला बैंक एवं प्रगृतिशील किसान मौजूद रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले के अधिक से अधिक किसानों को सहकारी बैंक से जोड़ने के लिए सार्थक प्रयास करें। इससे अधिक किसानों को शासन की फसल ऋण योजना का लाभ मिलेगा और बैंक का व्यवसाय भी बढ़ेगा। जिले में अभियान चलाकर किसानों को बैंक का सदस्य बनाने कहा गया। बैंक को अपने व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विभिन्न फसलों के ऋणमान निर्धारण के लिए समिति के सदस्यों एवं प्रगतिशील कृषको के द्वारा फसलों की लागत, उनके उत्पादन मूल्य तथा ऋण भुगतान क्षमता पर चर्चा कर ऋणमानों का निर्धारण किया गया। ऋणमान के आधार पर आगामी वर्ष 2025-26 में खरगोन एवं बड़वानी जिले के कृषको को सहकारी एवं समस्त व्यवसायिक एवं ग्रामीण बैंकों द्वारा अल्पकालीन एवं मध्यकालीन कृषि ऋण प्रदाय किया जाएगा।

(पृष्ठ 2 का शेष)

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का भव्य शुभारंभ

आइए, हम मिलकर सहकारिता को नया रूप दें, इसे और मजबूत बनाएं और समाज के हर वर्ग तक इसकी पहुंच बढ़ाएं।"

श्री रंजन के प्रेरणादायक शब्दों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को एकजुट किया और सहकारिता के महत्व को समझने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

विशिष्ट अतिथि:

श्री श्रीकुमार जोशी

श्री जोशी ने सहकारिता आंदोलन की चुनौतियों और अवसरों पर बात करते हुए कहा:

"आज का सहकारिता आंदोलन एक संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। हमें इसकी मूलभूत अवधारणाओं को संरक्षित करते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा। सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में एक अहम भूमिका निभा सकती हैं, बशर्ते इन्हें सही दिशा में संचालित किया जाए।"उन्होंने सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई वित्तीय सहायता योजनाओं और तकनीकी समर्थन को गेम-चेंजर बताया।

विषय विशेषज्ञ: डॉ. देवेंद्र राघव

डॉ. राघव ने सहकारिता के क्षेत्र में कौशल विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा:"सहकारिता को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि हम युवाओं को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित करें। प्रशिक्षण न केवल तकनीकी कौशल प्रदान करता है, बल्कि नेतृत्व क्षमता और पारदर्शी प्रबंधन को भी बढ़ावा देता है।"उन्होंने सहकारी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया और इसे सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

डॉ. मोनिका सिंह

डॉ. सिंह ने विशेष रूप से युवाओं को सहकारिता आंदोलन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा:"आज का युवा सहकारिता के बारे में कम जागरूक है। हमें इस क्षेत्र में नवाचार लाकर और जागरूकता अभियानों के माध्यम से उन्हें प्रेरित करना होगा। सहकारी आंदोलन में उनकी भागीदारी इसे और अधिक प्रभावी बनाएगी।"उन्होंने सहकारी शिक्षा कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से विद्यार्थियों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अन्य गतिविधियाँ

कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता, संगोष्ठी और संवाद सत्र आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों और विशेषज्ञों ने सहकारिता की नई पहलों पर विचार साझा किए।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

विषय: "सहकारिता मंत्रालय की नई पहल से सहकारिता आंदोलन का सुदृढ़ीकरण"

प्रतियोगिता में तीन प्रमुख संस्थानों (एल.एन.सी.टी. कॉलेज, टी.आई.ई.टी. कॉलेज, ग्लोबल हाइट्स एकेडमी) के 40-50 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सहकारी आंदोलन के महत्व और नई पहलों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

पुरस्कार वितरण

20 नवंबर 2024 को अपेक्स बैंक सभागार में समापन समारोह में "सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहकारिता की भूमिका" पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान की गई।

टी.आई.ई.टी. कॉलेज:

प्रथम पुरस्कार: श्री अर्पित सिंह
द्वितीय पुरस्कार: सुश्री हर्षिका यादव
तृतीय पुरस्कार: श्री विपिन सिंह

एल.एन.सी.टी. कॉलेज:

प्रथम पुरस्कार: कुमारी कृतिका खरे
द्वितीय पुरस्कार: श्री अविचल जैन
तृतीय पुरस्कार: सुश्री ओजस्विनी शर्मा

ग्लोबल हाइट्स एकेडमी:

प्रथम पुरस्कार: सुश्री वर्षा अहिरवार
द्वितीय पुरस्कार: सुश्री अभिलाषा लोधी
तृतीय पुरस्कार: सुश्री शिखा दिवाकर

समापन पर श्री संजय सिंह, महाप्रबंधक, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा:"सहकारिता केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है। इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।"यह आयोजन सहकारिता आंदोलन को प्रोत्साहित करने और इसे नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

पशु पालको को केसीसी का वितरण

विदिशा :नाबार्ड के सहयोग से बाएफ लाइवलीहूडस द्वारा प्रायोजित करीला एग्रो कृषक उत्पाद संगठन के 233 सदस्य किसानो को पशुपालन के क्षेत्र में बढावा देने के लिए जिला सहकारी बैंक विदिशा के द्वारा पशु क्रेडिट कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन पीएनबी प्रशिक्षण संस्थान में किया गया था।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार ने किसानो से कहा कि पशुपालन को बढावा देने के क्षेत्र में विदिशा जिले में किए जा रहे प्रयासो का संदेश प्रदेश के अन्य जिलो में जाए। उन्होंने पशुपालन के लिए किसान उत्पादक संगठन के जरीए क्षेत्र में विकास के लिए किए जा रहे नवाचारो का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार ने कहा कि विदिशा जिले में दुग्ध उत्पादन करने वाले किसानो को अधिक से अधिक पशु क्रेडिट कार्ड जारी हो रहे है यह सब आपसी तालमेल का प्रतीक है। उन्होंने केसीसी से होने वाले फायदो को रेखांकित किया और इस मदद से क्षेत्र में पशुपालको को पशुओं की संख्या बढाने में मदद मिलेगी।

इस दौरान किसानो को आत्म निर्भर बनने, आय में वृद्धि करने के क्षेत्र में पशुपालन को महत्वपूर्ण इकाई के रूप में संचालित करने पर विशेष सुझाव सांझा किए गए है। कार्यक्रम में लीड बैंक आफीसर श्री बीएस बघेल, नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी श्रीमती जगप्रीत कौर, सहकारिता बैंक खामखेडा के प्रबंधक श्री लखन भार्गव के अलावा बाएफ लाइवलीहूड्स भोपाल और करीला एग्रो किसान उत्पादक संगठन के बोर्ड डायरेक्टर सदस्य मौजूद रहें।

कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी दी जा रही

विदिशा : कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले के किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी देने के प्रबंध सुनिश्चित कराएं है।राजस्व महाभियान 3 अन्तर्गत ग्रामों में पटवारी द्वारा किये जा रहे बी-1 बाचन कार्य का आकस्मिक निरीक्षण की प्रक्रिया क्रियान्वित की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व महाभियान के दौरान कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जागरूक करने पर बल दिया है। शासन द्वारा किसानों के लिये एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गयी है। इस प्रणाली के तहत प्रत्येक किसान का एक विशिष्ट किसान आई. डीध्फार्मर आई डी बनाया जायेगा, जिसका उद्देश्य किसान की पहचान एवं उनकी जानकारी को सुरक्षित रखना है। फार्मर रजिस्ट्री कृषकों को कृषि उत्पादों का सुविधाजनक वितरण तथा राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिलेगा।

सहकारिता से समृद्धि: श्री अमित शाह ने NCDC की 91वीं आम परिषद को किया संबोधित

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) की 91वीं आम परिषद की बैठक को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के प्रति कटिबद्ध है

मोदी सरकार सहकारिता के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है और इस दिशा में NCDC की अहम भूमिका है

श्री अमित शाह ने NDDB और NCDC के सहयोग से पूर्वोत्तर के राज्यों में दुग्ध सहकारी संघों को प्रोत्साहन देने पर विशेष बल दिया

सहकारी समितियों को एकीकृत करने में राष्ट्रीय सहकारिता डेटाबेस की महत्वपूर्ण भूमिका

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने चीनी मिलों की वित्तीय क्षमता बढ़ाने और वित्तपोषण को बढ़ाकर 25,000 करोड़ रूपए करने के लिए व्यापक पंचवर्षीय योजना का सुझाव दिया

नई दिल्ली, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) की 91वीं आम परिषद की बैठक को संबोधित किया।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार सहकारिता आंदोलन के माध्यम से देश के नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शाह ने कहा मोदी सरकार सहकारिता के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है और इस दिशा में NCDC की अहम भूमिका है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने सहकारी आंदोलन में NCDC के योगदान की सराहना की और लाखों सहकारी समितियों के जीवन को बदलने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि NCDC की सफलता न केवल इसके 60,000 करोड़ रुपये के संवितरण से परिलक्षित होती है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहकारी क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इसकी क्षमता से भी परिलक्षित होती है।

श्वेत क्रांति 2.0 के महत्व पर जोर देते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में दुग्ध सहकारी संघों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने दूध उत्पादक संघों की स्थापना के लिए NDDB और NCDCके बीच सहयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। श्री शाह ने कहा कि इन संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जिसमें दूध उत्पादन के शुरुआती चरण की देखरेख NDDB द्वारा की जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल श्वेत क्रांति को आगे बढ़ाएगी बल्कि आदिवासी समुदायों और महिलाओं को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि एक ऐप आधारित कैब कोऑपरेटिव सोसाइटी सेवा स्थापित करनी चाहिए जिससे लाभ सीधे ड्राइवरों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने सहकारी समितियों को एकीकृत करने में राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि NCDCऔर सहकारिता मंत्रालय इन प्रयासों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री अमित शाह ने चीनी मिलों की वित्तीय क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक व्यापक पंचवर्षीय योजना तैयार करने का भी सुझाव दिया, जिसका लक्ष्य उनकी फंडिंग को बढ़ाकर रु. 25,000 करोड़ करना है। इस पहल से चीनी उद्योग के विकास और स्थिरता को बढ़ाने, बेहतर वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने और क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास को समर्थन मिलेगा। उन्होंने ओडिशा, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे तटीय राज्यों में गहरे समुद्र में ट्रॉलर की संभावना तलाशने को भी कहा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारित मंत्री ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में NCDCके साथ सहकारी इंटर्न योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य राज्य और जिला सहकारी बैंकों को केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ तालमेल बिठाने और PACSको मजबूत बनाने में मदद करना है। सहकारी इंटर्न योजना प्रतिभागियों को अमूल्य व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करेगी और उन्हें सहकारिता के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने और ग्रामीण समुदायों के विकास का समर्थन करने के लिए तैयार करेगी। श्री अमित शाह ने देश भर में सहकारिता क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए एक सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना करने का आह्वान किया और सहकारिता के लिए क्षमता विकास कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया, जिससे सहकार से समृद्धि के विज़न को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

खाद- बीज उपलब्ध हेतु तमाम प्रबंध सुनिश्चित जिले में 82 प्रतिशत से अधिक खाद वितरण हुआ

विदिशा :विदिशा जिले में इस वर्ष रबी सीजन की फसलों के लिए आवश्यक खाद - बीज के तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कृषि सहित अन्य लाइन विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए मांग और पूर्ति के बीच किसी भी प्रकार के व्यवधान उत्पन्न ना हो का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिले में कहीं भी खाद की कालाबाजारी,नकली खाद का विक्रय व परिवहन ना हो वही तय दाम से अधिक दर पर भी को दुकानदार विक्रय ना कर पाए पर सतत निगरानी रखने के निर्देश प्रसारित किए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में क्रियान्वित कार्यो की जानकारी देते हुए किसान कल्याण कृषि विकास विभाग के उप संचालक ने बताया कि जिले में गत वर्ष में उक्त अवधि के दौरान डी.ए.पी. एन.पी.के. 59096 मैटिक टन का वितरण किया जा चुका है। जबकि इस वर्ष अब तक डी.ए.पी.. एन.पी.के. 59045 मै.टन डी.ए.पी. का भण्डारण कराया गया है जो गतवर्ष की तुलना से ज्यादा प्राप्त हुआ है। 58603 मे.टन का वितरण सफलता पूर्वक किया जा चुका है। वर्तमान में 643 मै.टन मात्रा शेष है जिसका वितरण भी लगातार जारी है। जिले की समस्त सेवा सहकारी समितियों पर 80 से 82 प्रतिशत तक उर्वरक की पूर्ति करा दी गई है।

जिले में वर्तमान में अभी तक 60 प्रतिशत से अधिक बौनी पूर्ण हो चुकी है। प्रमुख फसलों गेहूँ, चना, मसूर एवं सरसों की बौनी को दृष्टिगत रखते हुये पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है। जिसका वितरण जिला प्रशासन की देखरेख में किया जा रहा है । आगामी दिनों में भी लगातार उर्वरक की रैक जिले को प्राप्त हो रही है। किसान भाईयों से अपील है कि वर्तमान में आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक का उठाव करें।

भोपाल में हस्तशिल्प प्रदर्शनी संपन्न : कला और संस्कृति का भव्य उत्सव

"यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों और कारीगरों दोनों के लिए प्रेरणा का स्रोत साबित हुई।"

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ के प्रांगण में 22 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी का सफल समापन हुआ। यह प्रदर्शनी भारतीय कला और संस्कृति की विविधता को प्रदर्शित करते हुए स्थानीय और राष्ट्रीय शिल्पियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई।

भव्य उद्घाटन समारोह

23 नवंबर को आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती इंद्रजीत कौर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, भोपाल ने कहा, "भारतीय हस्तशिल्प न केवल हमारे पारंपरिक कौशल का प्रतीक है, बल्कि यह लाखों कारीगरों की आजीविका का आधार भी है। इस तरह की प्रदर्शनी न केवल इन कारीगरों को प्रोत्साहन देती है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवित रखती है।"

विशिष्ट अतिथि श्री नर सिंह सैनी, सहायक निदेशक, हस्तशिल्प कार्यालय, विकास आयुक्त सेवा केंद्र, भोपाल ने अपने संबोधन में कहा, "हस्तशिल्प क्षेत्र में स्थानीय कला को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार किया जा सकता है।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल ने कहा, "यह प्रदर्शनी शिल्पकारों के परिश्रम और समर्पण का सजीव उदाहरण है। इसे देखकर हर भारतीय को गर्व महसूस होता है।"

कला प्रेमियों के लिए रहा विशेष आकर्षण

प्रदर्शनी में देशभर से आए शिल्पकारों ने अपने उत्कृष्ट उत्पाद प्रदर्शित किए। "भदोही" के कालीन, "भागलपुर" की सिल्क साड़ियां, "मधुबनी" की पेंटिंग्स, "जयपुर" का लेदर वर्क और "भोपाल" का जरी-जरदोजी जैसे उत्पादों ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

बनारस के सरफराज आलम ने अपनी बनारसी साड़ियों और मुगल पटका के अद्वितीय काम से सबका मन मोह लिया। फिरोजाबाद के संजीव कुमार के ग्लास वर्क और भोपाल की प्रेरणा शर्मा की मांडना कला ने दर्शकों को अपनी ओर खींचा।

प्रदर्शनी की उपलब्धियां

प्रदर्शनी ने न केवल कारीगरों को उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया, बल्कि हजारों आगंतुकों को भारतीय हस्तशिल्प की विविधता और समृद्धि से भी परिचित कराया। शिल्पकारों की कलाकृतियां न केवल बेची गईं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों से संपर्क करने का अवसर भी मिला।

प्रदर्शनी का समापन

प्रदर्शनी के समापन के अवसर पर सभी प्रतिभागी शिल्पकारों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने घोषणा की कि इस प्रकार के आयोजन हर वर्ष आयोजित किए जाएंगे ताकि हस्तशिल्प उद्योग को और बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम का आयोजन कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा किया गया।

सहकारी समिति चंद्रौल में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर। सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर द्वारा मछुआ सहकारी समिति मर्यादित चंद्रौल, जिला कटनी में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य मछुआ समुदाय को सहकारी सिद्धांतोंउनके लाभ और मछली पालन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक करना था, ताकि वे अपने व्यवसाय को अधिक प्रभावी तरीके से चला सकें।

प्रशिक्षण शिविर में विशेषज्ञों ने मछली पालन के प्रबंधन, आर्थिक लाभ, नवीनतम तकनीकों और सहकारी संस्थाओं के कार्यकुशलता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर के दौरान मछुआ समुदाय के सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब करते रहे। उन्होंने मछली पालन में आने वाली चुनौतियों और संभावनाओं पर भी चर्चा की।

मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों ने भविष्य में ऐसे और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे सहकारी संस्थाओं के माध्यम से अपने व्यवसाय को और अधिक सशक्त बना सकें।

यह प्रशिक्षण शिविर मछुआ समुदाय के लिए एक बेहतरीन अवसर साबित हुआ, जिसमें उन्हें सहकारी संस्थाओं के लाभ को समझने और अपने व्यवसाय में सुधार लाने के लिए नए उपायों को अपनाने की प्रेरणा मिली।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।